Literacy for a Billion

Movie: Geet
Year:1970

Song: Kahi tum wahi to nahi
Lyricist: Hasrat Jaipuri

जिसके सपने हमे रोज आते रहे
दिल लुभाते रहे
ये बता दो बता दो
ये बता दो कहीं तुम वो ही तो नहीं
वो ही तो नहीं
ओ जिसके सपने हमे रोज आते रहे
दिल लुभाते रहे
ये बता दो कहीं तुम वो ही तो नहीं
वो ही तो नहीं

जब भी झरनों से मैंने सुनी रागिनी
जब भी झरनों से मैंने सुनी रागिनी
मैं ये समझा तुम्हारी ही पायल बजी
ओ जिसकी पायल पे
ओ जिसकी पायल पे हम दिल लुटाते रहें
जाँ लुटाते रहे
ये बता दो कहीं तुम वो ही तो नहीं
वो ही तो नहीं
जिसपे रोज रोज गीत हम
गाते रहे गुनगुनाते रहें

ये बता दो कहीं तुम वो ही तो नहीं
वो ही तो नहीं
ये महकते बहकते हुए रास्ते
खुल गए आप ही प्यार के वास्ते
दे रही हैं पता मदभरी वादियाँ
जैसे पहले भी हम तुम मिले हो यहाँ
ओ कितने जन्मों से
ओ कितने जन्मों से
जिसको बुलाते रहें आज़माते रहें
ये बता दो कहीं तुम वो ही तो नहीं
वो ही तो नहीं
ओ जिसके सपने हमे रोज आते रहें
दिल लुभाते रहें
ये बता दो कहीं तुम वो ही तो नहीं
तुम वो ही तो नहीं
ओ तुम वो ही तो नहीं
ओ तुम वो ही तो नहीं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.